As far as the statistics are concerned, these statistics are both nationl as well as international, and we have statistics which are supplied by the State Governments. As early as the 15th of March we have replied to a question in this very House about the number of accidents in each of the States for the last three years, the number of persons killed and the number of persons injured. We have to depend upon the State Governments for this.

SHRI G. SWAMINATHAN: Which State has the highest number of accidents and which has the lowest?

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: Well, the highest accidents have taken place in Maharashtra, 31, 696, followed by Tamil Nadu, 28, 581.

SHRI G. SWAMINATHAN: What is the percentage?

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: I am talking about the number of accidents, the number of persons killed and the number of persons injured. *{Interruptions)* This let us not mix up.

SHRI G. SWAMINATHAN: The all India average you have given. For Maharashtra and Tamil Nadu you can give.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: This is the figure provided, as I have said, by the International Road Federation, Washington.

MR. CHAIRMAN: Have you got the percentage for the States?

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: Yes. I shall lay them on the Table of the house.

SHRI G. SWAMINATHAN: You have derived the all-India percentage. You should have the percentages for the States also.

SHRI K. P. UNNIKRISHNAN: I shall lay them on the Table of the House.

J & K Terrorists in the Capital

*303. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that a larrge number of terrorists who were hitherto operating in Jammu and Kashmir, have shifted to Delhi for their activities;

(b) whether Government are also aware that these terrorists have taken shelter in various guest houses in the city;

(c) whether Government are also aware that most of these guest houses are unlicensed and are owned by people of dubious background; and

(d) if so, what steps Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED): (a) No, Sir. There are, however, reports that some terrorists operating in Jammu and Kashmir have been visiting Delhi.

-

(b) Delhi police have reported that no such instance has come to their notice

(c) and (d) Some of the guest houses in Delhi are unlicensed. Necessary action under tue law is taken where warranted. Frequent checks are also made by the Delhi Police for detecting undesirable elements.

[उपसभाध्यक्ष (डा बापू कालदाते) पीठासीन हुए]

श्री कृष्ण लाल शर्मा : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने यह स्वीकार किया है कि जम्मू और

कश्मीर के आतंकवादी यहां आते रहते हैं । मैं यह जानना चाहता हूं कि ये जो लोग आते रहे हैं उनकी फ्रीक्वेंसी क्या है, ये कहां ठहरते हैं ? अगर गेस्ट हाउसेज में नहीं ठहरते तो उनका रहने का ठिकाना क्या है, क्या इसकी जानकारी मंत्री महोदय के पास है ?

श्री सुबोध कान्त सहाय : उपसभाध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने बताया अभी तक जो लोग आये हैं उनमें से ये लोग पकड़े गये हैं । इन सारे लोगों को पुलिस ने अपनी इन्फर्मेशन के आधार पर अपने तरीके से ट्रैप करके पकड़ा है । गेस्ट हाउसेज के बारे में सरकार के पास जानकारी नहीं है । जो पकडे गये हैं वे बाहर पकड़े गये हैं ।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : मैं यह जानना चाहता हूं कि जो पकड़े गये हैं वे कहां ठहरे थे, कौन सा उनका ठिकाना है, धार्मिक स्थान हैं, होटल हैं, प्राइवेट हाउस हैं ? इसकी जानकारी मिलनी चाहिये कि उन्हें कहां से पकड़ा गया है ?

श्री सुबोध कान्त सहाय : स्पेसिफिक जो कहा जा रहा है गेस्ट हाउस में तो वे किसी गेस्ट हाउस में नहीं पकड़े गये हैं । उन्हें बाहर से पकड़ा गया है । पुलिस ने अपनी इन्फर्मेशन के आधार पर उन्हें ट्रैप करके रास्ते से, स्टेशन से पकड़ा है और इसकी डिटेल पुलिस इन्वेस्टीगेशन में है । यह डिटेल अभी मेरे पास नहीं है । स्पेसिफिक मैंने कहा है कि गेस्ट हाउस में नहीं पकड़े गये हैं ।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि पिछले दिनों जो यहां पर आग और बम ब्लास्ट की घटनायें हुई हैं तो इस सिलसिले में कितने कश्मीर के आतंकवादियों को पकड़ा गया है ?

श्री सुबोध कान्त सहाय : उपसभाध्यक्ष महोदय, कश्मीर के आतंकवादी जो पकड़े गये हैं उनका आग और बम ब्लास्ट से कोई संबंध नहीं रहा है ।

SHRISUKMALSEN: Of course the question is confined to Delh., May I know from the hon. Minister by a little expanding the question whether the Government has got information that they are also infiltrating in other big cities of the country like Bombay, Calcutta Madras ?

I am saying this because in Bombay also some bombs were found or had exploded at the railway station or at other places. These people are infiltrating in various places. Has the Government got any information about the Kashmiri terrorists infiltrating in various parts of the country? What is the information the hon. Minister has got?

श्री सुबोध कान्त सहाय : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि जब कश्मीर वगैरह में सरकार थोड़ी सख्ती करती है तो यह लोग उस इलाके को छोड़ कर ऐसे विभिन्न शहरों में कारनामे करते हैं । जितनी सरकार के पास इनफारमेशन होती है, उसके आधार पर कार्यवाही करती है । दूसरे राज्यों में जो इनके द्वारा घटना की गई है, इसकी जानकारी हमारे पास नहीं है ।

श्री चतुरानन मिश्र : उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारी सूचना के मुताबिक जब टेररिस्ट आते हैं तब सरकार के पास खबर नहीं रहती है । जब एक्शन करके चले जाते हैं तब सरकार को मालूम होता है कि वह आये थे । तो क्या सरकार बतायेगी कि हमारी सूचना सही है या नहीं ? उनके आने के बारे में आपको ज्यादा सूचना है या एक्शन कर के चले जाने के बारे में ज्यादा सूचना है ? यह दोनों जरा आप बता दीजिये ।

श्री सुबोध कान्त सहाय : उपसभाध्यक्ष महोदय, दिल्ली में जो सख्ती की जा रही है वह नजर आ रही है । सरकार

को उनके आने के बारे में भी सूचना है और ट्रैप करक उनके पकड़ने के बारे में भी । सात टेररिस्ट पकड़े गये हैं ।

श्री चतुरानन मिश्र : ऐक्शन करके चले जाते हैं तब मालूम होता है या पहले मालूम होता है ?

श्री सुबोध कान्त सहाय : पहले भी इनफारमेशन होती है, कुछ पकड़े जाते हैं, कुछ पकड़ में नहीं आते हैं, इसलिये निकल जाते हैं ।

श्री चतुरानन मिश्र : वही तो मैं पूछना चाहता हूं । उनकी डिटेल क्या होती है । जब यह लोग आते हैं उसकी ज्यादा सूचना आपको रहती है या मारकर चले जाते हैं तब हम लोगों को सूचना मिलती है, दोनों का नम्बर क्या है, यह बता दीजिये ।

[**श्री सभापति** पीठासीन हुए]

श्री सुबोध कान्त सहाय : सभापति महोदय, माननीय सदस्य हमारे नेता रहे हैं, नम्बर तो नहीं लेकिन इस तरह की गतिविधियां करने वाले जो लोग हैं जब भी उनके आने की सूचना मिलती है तो उस पर कार्यवाही की जाती है । दोनों का नम्बर मैं नहीं बता सकता ।

श्री गुलाम नबी आजाद : सभापति महोदय, 19 तारीख पिछले सेचरडे को दिल्ली से कुल्लू वाया चण्डीगढ़ जो वायुदूत की सर्विस जाती है, उसमें दिल्ली से तीन आतंकवादी उस जहाज में यात्रा कर रहे थे जो चण्डीगढ़ में उतरे। मैं उसके संदर्भ में दो सवाल (ए) और (बी) पूछना चाहता हूं । मैं यह जानना चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस ने उनको हवाई जहाज में जाने से पहले क्यों नहीं पकड़ा, क्या उनके पास कोई इनफारमेशन नहीं थी ? (बी) सवाल यह है कि चण्डीगढ़ में उतरने के बाद पंजाब पुलिस ने उनको पकड़ा या नहीं ?

श्री सुबोध कान्त सहाय : सभापति महोदय, जैसे कि इन्होंने कहा तीन लोग गये, सरकार के पास इसकी जानकारी नहीं है कि कोई आंतकवादी 19 तारीख के दिन यहां से वायुदूत में गया (**व्यवधान**)

श्री गुलाम नबी आजाद : 20 तारीख को मैं उसी जहाज से जब चण्डीगढ़ उतरा तो मुझे बताया गया कि कल उसमें तीन आंतकवादी थे और जब वह उतरे तो उसके बाद पुलिस को इत्तेला पहुंची और पुलिस ने वहां से जो लोग कुल्लू जा रहे थे उनको कहा कि फौरन विमान से उतर जाओ हम जहाज की तलाशी लेंगे क्योंकि इसमें से अभी तीन आंतकवादी उतरे हैं । इसके बाद मैं यह जानना चाहता हूं कि उनको पकड़ा गया या नहीं?

श्री सभापति : यह जो इनफारमेशन दे रहे हैं उस पर आप कार्यवाही करेंगे।

श्री सुबोध कान्त सहाय : यह जो इनफारमेशन दे रहे हैं इसकी डिटेल कलेक्ट करके माननीय सदस्य को मैं दे दूंगा।

श्री राम नरेश यादव : सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि आपने अपने उत्तर में यह कहा है तथापि यह खबर हैं कि कुछ ऐसे आंतकवादी दिल्ली में आते-जाते रहते हैं जिनका कार्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर है । इनकी आंतकवादी गतिविधियां तेज हो गई हैं जिससे देश की स्थिति बहुत खतरनाक होती चली जा रही है । ऐसी स्थिति में मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं, (अ) कि सरकार को यह खबर कि कुछ ऐसे आंतकवादी दिल्ली में आते जाते रहते हैं, कब हुई ? (ब) इस तरह से जो लोग आते जाते रहते हैं क्या सरकार ने उन्हें आज तक आइडेंटीफाई किया है और आइडेंटीफाई किया है तो कितने हैं तथा आइडेंटीफाई करने के बाद उनके खिलाफ आज तक क्या कार्यवाही की ? (स) जम्मू काश्मीर से दिल्ली न आ सकें इसके लिए आपने क्या व्यवस्था की है, यह मैं माननीय मंत्रीजी से जानना चाहता हूं ।

श्री सुबोध कान्त सहाय : सभापति महोदय, जो लोग आंतकवादी के रूप में दिल्ली में आए हैं उनमें पकड़े हुए लोगों में गुलाम मोहम्मद, असदुल्ला मीर, गुलाम मो. मीर, अब्दुल रशीद, अब्दुल अहमद शाह, वकील और शफत अहमद शागलू हैं। ये 7 लोग पकड़े गये हैं और सरकार ने यह कार्यवाही की है कि एण्टी टेरोरिस्ट सेल के तहत हर एक डिस्ट्रिक्ट पुलिस में इंटेलीजेंस रिपोर्ट कलेक्ट की जाती है और उस पर कार्यवाही की जाती है। आम पिकेट्स हर एक जगह लगाये गये हैं जो कि लोगों की गाड़ियों को चेक करते हैं। इन्टेंसिव फुट और मोबाइल पैट्रोलिंग की जा रही है, जो नोन टेरोरिस्ट्स हैं उनके फोटोग्राफ्स पब्लिश किये जा रहे हैं और रेडियो, टी.वी. या लीफलेट्स के माध्यम से लोगों को आगाह किया जा रहा है। इस तरह से क्लोज वाच रखी जाती है और यह कोशिश रहती है कि सरकारी प्रशासन चुस्त और दुरुस्त रहे जिसमें कि आंतकवादी यहां पर घुस की हिम्मत न करें। जहां तक रहा सवाल कि वहां से उनको आने देने में रुकावट डालने की क्या कोशिश की जा रही है तो आप जानते हैं कि जम्मू काश्मीर में सरकार सख्ती से इस तरह के आंतकवादियों से निपटने के लिए प्रशासनिक कार्यवाही कर रही है और उसी दृष्टिकोण से ऐसे जो लोग पकड़े जाते हैं या हार्ड कोर टेरोरिस्ट्स इन्काउंटर्स में मारे जा रहे हैं उनके दिल और दिमाग में एक वातावरण पैदा करने की सरकार कोशिश कर रही है।

श्री राम नरेश यादव : आपने बताया कि प्रशासनिक कदम उठाये जा रहे हैं लेकिन वे प्रशासनिक कदम क्या हैं यह मैं जानना चाहता हूं। दूसरा आपने बता दिया कि कितने लोग पकड़े गये, मेरा प्रश्न यह था कि कुल कितने आंतकवादी आइडेंटीफाई किये गये हैं अब तक, उनकी संख्या मैं जानना चाहता हूं?

श्री सुबोध कान्त सहाय : प्रशासनिक दृष्टिकोण से कितने और कौन किये गये हैं यह बताना सही नहीं होगा।

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Mr. Chairman Sir, may I know from the Minister whether they have identified the three persons who have travelled in Vayudoot which was pointed ou by my friend from the other side? If so, what action has been taken in this regard?

SHRI SUBODH KANT SAHAY: As I said earlier, we will collect the information and accordingly we will inform the hon. Member.

Printing Press of Postal Department at Bhubaneswar

*304. SHRI BASUDEB MOHA-PATRA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Postal Department have a printing Press of their own at Bhubaneswar for printing the various forms needed for the Postal Department;

(b) if so, what is the annual turnover of the Press;

(c) the amount spent per annum for the Press;

(d) whether the Postal Department propose to print Envelopes, Post Cards and Stamps in the Press; and

(e) if so, by when it is likely to be started ?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) Yes, Sir.

(b) Forms and publications printed on 932. 29 metric tons of paper in the year 1989-90..

(c) Rs. 42. 97 lakhs as per preliminary accounts for the year 1989-90 excluding the cost of paper.

(d) No, Sir.